कविता मन को मानवीय बनाने का साधन है-राज्यपाल 21-3-2017

चंडीगढ़, 21 मार्च- कविता मन को मानवीय बनाने का साधन है। जिसका मन भाव प्रधान व संवेदनशील होता है वह हर क्षेत्र में अपने काम और व्यक्तित्व की अलग ही छाप छोड़ता है। यह बात हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज राजभवन की उप सचिव श्रीमती मीनाक्षी राज, एच0सी0एस0 के काव्य-संग्रह 'पैगाम-ए-सुखन' का विमोचन करने के बाद अपने सम्बोधन में कही। विमोचन समारोह का आयोजन राजभवन में ही किया गया था। प्रो0 सोलंकी ने कहा कि अच्छे मानव समाज के लिए कविता बहुत जरूरी है। मनुष्य को संवेदनशील, अधिक मानवीय, कल्याणकारी और सर्वहितैषी बनाना है तो उसमें काव्य गुण का समावेश करना होगा। उन्होंने कहा कि आज के समाज की सब समस्याओं के निवारण के लिए भावनात्मक पुट का होना जरूरी है और यह पुट कविता के माध्यम से ही आ सकता है। उन्होंने कहा कि भावुक व्यक्ति का काम ज्यादा सही व मानवीय होता है क्योंकि वह अपने सामने आए व्यक्ति से अन्याय नहीं कर सकता।

काव्य-संग्रह 'पैगाम-ए-सुखन' के विमोचन पर श्रीमती मीनाक्षी राज को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने प्रशासनिक जीवन की सब व्यस्तताओं के बावजूद अपनी रचनात्मक क्षमता को बनाए रखा है। उन्होंने आगे कहा कि आदमी सम्पूर्ण तब बनता है जब वह अपने अंदर झांकता है और स्वयं को पढता है। जो व्यक्ति अपने अन्तर्मन के इस अनुभव को संजोकर अभिव्यक्त कर देता है वह कवि होता है।

इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश अनिल आर0 दवे ने अपने संबोधन में कहा कि कविता सबसे अद्भुत अभिव्यक्ति है। यह साहित्य में सबसे उंचा मुकाम है। उन्होंने कहा कि आज विश्व कविता दिवस पर इस काव्य संग्रह का विमोचन होना दोहरी खुशी की बात है। उन्होंने काव्य-संग्रह 'पैगाम-ए-सुखन' की कई कविताओं पर सारगर्भित टिप्पणी की। हरियाणा पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव डा0 सुमिता मिश्रा ने पुस्तक का परिचय देते हुए इसे साहित्य-जगत की अनूठी पेशकश कहा। उन्होंने काव्य-संग्रह की कई कविताओं की समीक्षा रोचक ढंग से प्रस्तुत की।

गृह विभाग हरियाणा में सचिव एस0के0 गोयल ने भी अपने विचार रखे। कवयित्री मीनाक्षी राज

ने अपने काव्य-संग्रह की कुछ कविताएं सुनाईं। उन्होंने कहा कि अपनी मौलिक भावनाओं को व्यक्त करने में खुशी व आनन्द का अनुभव होता है। इसलिए काव्य-संग्रह का शीर्षक 'पैगाम-ए-सुखन' रखा गया। उनके पति नितिन राज, स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट ने सबका धन्यवाद किया।

इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व लोकायुक्त जस्टिस प्रीतम पाल, न्यायाधीश राजेश बिंदल, दया चैधरी, राज मोहन सिंह सहित हरियाणा एवं पंजाब उच्च न्यायालय के अनेक न्यायाधीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव केशनी आनन्द अरोड़ा, हरियाणा सूचना आयोग की मुख्य आयुक्त उर्वशी गुलाटी, राज्यपाल के सचिव डा॔0 अमित कुमार अग्रवाल व अनेक प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।